युवा जागरण

70 से 80 प्रतिशत छात्र-छात्राओं की पिछले छह महीने में 50 प्रतिशत भी नहीं है उपस्थिति। ऐसे में उनके लिए समस्या हो सकती है

75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है यूटीयू के पाठ्यक्रमों में, मगर कई छात्रों की उपस्थिति 18 प्रतिशत से भी कम रही है पढ़ाई के दौरान

परीक्षा से वंचित रह सकते हैं 1064 छात्र

75 प्रतिशत से कम उपस्थिति के कारण खड़ी हुई दिक्कत, 21 मई से शुरू होनी हैं सेमेस्टर परीक्षाएं

जागरण संवाददाता, देहरादून : वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) से संबद्ध इंजीनियरिंग कालेजों के 1064 छात्र-छात्राओं को कालेज न आना भारी पड़ने वाला है। विवि 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले छात्रों को परीक्षा से वंचित करने जा रहा है। वहीं, विवि ने कालेजों को 15 मई तक छात्रों की अपडेटेड उपस्थिति उपलब्ध कराने के आदेश दिए हैं।

यूटीयू आडिनेंस के अनुसार यदि न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थित नहीं पाई गई तो 21 मई से प्रारंभ होने वाली सम सेमेस्टर परीक्षा से ऐसे छात्रों को वंचित रहना पड़ेगा। विशेष बात यह है कि कई संस्थानों के तो 70 से 80 प्रतिशत विद्यार्थियों की पिछले छह महीने में 50 प्रतिशत उपस्थित भी नहीं है। इसको लेकर विवि के परीक्षा नियत्रंक ने संबद्ध सभी राजकीय इंजीनियरिंग कालेज, सहायता प्राप्त और स्व वित्तपोषित संस्थानों के प्राचार्य/निदेशकों को पत्र जारी किया है। इस पत्र में बताया है कि 21 मई से विवि की सम सेमेस्टर परीक्षा प्रारंभ हो रही है।

साथ ही परीक्षा से पहले सभी संस्थानों से छात्रों की उपस्थिति आनलाइन मांगी गई है। गौर हो कि इससे पहले 10 मई को सभी संस्थानों ने अपने यहां के छात्रों की उपस्थिति उपलब्ध कराई है। इस सूची में 35 संस्थानों के एक हजार 64 छात्र ऐसे पाए गए जिनकी उपस्थिति विवि के मानक से कम है।

अब इस पर विवि ने ऐसे छात्रों की उपस्थिति की कालेज स्तर पर दोबारा जांच करने व 15 मई से पहले विवि को अवगत कराने के आदेश दिए हैं। जबकि जागरण ने यूटीयू के छात्रों के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य शीर्षक से खबर प्रकाशित भी की थी। यूटीयू से करीब 81 संस्थान संबद्ध हैं, जिसमें सम सेमेस्टर की परीक्षाएं प्रारंभ हो रही हैं।

बीटेक के कई छात्रों की छह माह में चार प्रतिशत उपस्थिति

बीटेक जैसे महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के बाद भी कई छात्र कक्षा से नदारद हो रहे हैं। इन पाठ्यक्रम में कुछ छात्रों की पिछले छह माह की उपस्थिति तीन, चार, सात, आठ और 11 प्रतिशत ही है। ऐसे छात्रों को सेमेस्टर परीक्षा में बैठने का मौका नहीं दिया जाएगा यह तय है।

बीबीए-एलएलबी व बीफार्मा करने वाले छात्र भी नहीं आए कालेज

बीबीए-एलएलबी, बीफार्मा, एमबीए, बीसीए, एमफार्मा जैसे उपयोगी पाठ्यक्रमों में भी कई छात्रों की उपस्थित महज तीन, पांच, नौ एवं 18 प्रतिशत रही है। जबकि विवि के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह की अध्यक्षता में विवि ने फरवरी में ही 75 प्रतिशत उपस्थिति का आडिनेंस सभी संस्थानों को भेजा था और इसका सख्ती से पालन करने के आदेश भी जारी किए थे। लेकिन छात्रों ने इसे हल्के में लिया जो अब भारी पड़ रहा है।

विवि ने सभी संबद्ध संस्थानों को उपस्थिति आडिनेंस से लिखित रूप से अवगत कर दिया था। जिसका सख्ती से पालन करने के निर्देश भी दिए गए थे। समय-समय पर मैं स्वयं औचक निरीक्षण के लिए देहरादून और हरिद्वार के संस्थानों में पहुंचा और छात्रों की कम उपस्थिति को लेकर उन्हें चेतावनी तक दी गई। इसके बावजूद सेमेस्टर परीक्षा से पहले छात्रों की मानक से कम उपस्थिति चिंता का विषय है। यह छात्रों और संस्थान की ओर से बरती जा रही घोर लापरवाही है, जो बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

-प्रो.ओंकार सिंह, कुलपति यूटीयू

उत्तरांचल विवि में आयोजि

650 छा